University in News on 28 June 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि में वाणिज्य विभाग शुरू करेगा चार नए कोर्स

विद्या परिषद से स्वीकृति का इंतजार, एमकॉम के विद्यार्थी पढ़ेंगे एआई बिजनेस

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का वाणिज्य विभाग विद्यार्थियों के लिए चार नए कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इसकी पाठ्य सामग्री सहित अन्य औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। विद्यापरिषद से स्वीकृति के कोर्स शुरू करने की औपचारिक घोषणा की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र से एमकॉम के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) इन बिजनेस और बीकॉम के छात्रों को लॉजिस्टिक एंड सप्लाई मैनेजमेंट की पढ़ाई कराने की तैयारी है।

वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. राममिलन के मुताबिक, लविवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केंद्र में रखकर छात्रों के लिए कोर्स कंटेंट तैयार कर रहा है। इसका उद्देश्य उन्हें शैक्षिक रूप से समृद्ध बनाने के साथ ही रोजगारपरक शिक्षा देना है। विभाग में जो चार नए कोर्स शुरू होने हैं, उनमें बीकॉम रिटेल मैनेजमेंट, बीकॉम ई कामर्स और अप्लाइड इकॉनमिक्स, बीकॉम (बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस) एवं बीकॉम (लॉजिस्टिक) शामिल होंगे। इसके अलावा विद्यार्थियों को रोजगारपरक कोर्स की पढ़ाई कराने के उद्देश्य से एमकॉम के एक और दो साल के कोर्स में कई नए पेपर जोड़े गए हैं।

एक वर्षीय पीजी कोर्स के प्रथम सेमेस्टर में लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट पढ़ाया जाएगा। वहीं, एमकॉम के दूसरे सेमेस्टर में छात्र एआई इन बिजनेस का पेपर पढ़ेंगे। इसमें एआई के साथ-साथ ऑटोमेशन, अकाउंटिंग एंड आडिट में एआई का प्रयोग, फाइनेंस एंड टैक्सेशन, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में एआई का कैसे प्रयोग कर सकते हैं, इसकी जानकारी दी जाएगी।

यह पेपर इंटर डिपार्टमेंटल होगा, यानी विश्वविद्यालय में पीजी का कोई भी विद्यार्थी इसे ले सकेगा। इन पेपर को दो वर्षीय पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया है। दोनों पेपर के कोर्स बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड से पास हो चुके हैं। एकेडमिक काउंसिल में मंजूरी के बाद इन्हें लागू कर दिया जाएगा।

लविवि: 15 पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के कई पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल जारी कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि बीए एनईपी, बीएड, बीबीए आईबी ओल्ड, बीबीए ओल्ड, एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग, एमएससी बॉटनी चतुर्थ सेमेस्टर और बीसीए, बीकॉम ऑनर्स, बीबीए आईबी ओल्ड, बीबीए ओल्ड व एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी के छठे सेमेस्टर के नतीजे घोषित किए गए हैं। परीक्षार्थी इन्हें विवि की वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। (संवाद)

जीपैट में लविवि के आठ मेधावी सफल

लखनऊ। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस (एनबीईएमएस) की ओर से आयोजित ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट) 2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय के आठ विद्यार्थियों को सफलता मिली है। देश भर में एमफार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा में लविवि के बीफार्मा पाठ्यक्रम में तीसरे वर्ष के छात्र अमरेंद्र मौर्य ने 610वीं रैंक हासिल की है। वहीं, बीफार्मा चतुर्थ वर्ष की छात्रा कुहू ने 583वीं, अदिति श्रीवास्तव ने 1369वीं, आयुषी श्रीवास्तव ने 1779वीं, सुधांशु द्विवेदी ने 2724वीं, ज्योति गुप्ता ने 2927वीं, अब्दुल शादाब ने 3947वीं और दीपेंद्र प्रताप सिंह 4863वीं रैंक हासिल की है। (संवाद)

PIONEER PAGE 3

जी-पैट 2025 में एलयू के छात्रों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। लविवि के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्रों ने जी-पैट 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बी. फार्मा तृतीय वर्ष के अमरेंद्र मौर्या ने 610वीं रैंक हासिल की, जबकि बी. फार्मा चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इनमें कुहू ने 583वीं रैंक, अदिति श्रीवास्तव ने 1369वीं रैंक, आयुषी श्रीवास्तव ने 1779वीं रैंक, सुधांशु द्विवेदी ने 2724वीं रैंक, ज्योति गुप्ता ने 2927वीं रैंक, अब्दुल शादाब ने 3947वीं रैंक और दीपेंद्र प्रताप सिंह ने 4863वीं रैंक हासिल की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में संस्था और छात्र लगातार प्रगति कर रहे हैं। कुलपति ने एवं इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू के फार्मेसी छात्र जीपैट में चमके

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्रों ने ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूट टेस्ट (जीपैट) 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। इसमें बीफार्मा तृतीय वर्ष के अमरेंद्र मौर्या ने 610वीं रैंक हासिल की। इसके अलावा बीफार्मा चतुर्थ वर्ष की कुहू ने 583वीं रैंक, अदिति श्रीवास्तव 1369वीं रैंक, आयुषी श्रीवास्तव 1779वीं रैंक, सुधांशु द्विवेदी 2724वीं रैंक पाई।

i-NEXT PAGE 3 JAGRAN CITY PAGE III

सिक्कों से ही समझा जा सकता है इतिहास को

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (27 June): इतिहास के कुछ कालखंड ऐसे हैं जिन्हें सिर्फ सिक्कों से ही समझा जा सकता है. सिक्के ही पूरी घटना को समझाने की ताकत रखते हैं. विभिन्न इतिहासकारों ने पीपीटी माडल के माध्यम से यह बात समझाई. मौका था उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय की ओर से कैसरबाग के छत्तर मंजिल परिसर स्थित सभागार में मौन सिक्के, मुखर इतिहास विषयक दो दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के शुभारंभ का. जहां न केवल इतिहास की गहराइयों को खंगाला गया, बल्कि सिक्कों की जुबान से इतिहास के अनकहे पन्नों को जीवंत करने की भी कोशिश की गई. कार्यशाला की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं इतिहासकार लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया.

जीपैट परीक्षा में लवि के कई विद्यार्थी सफल

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्र-छात्राओं ने जी-पैट 2025 (ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। इनमें बी. फार्म तीसरे वर्ष के अमरेंद्र मौर्या ने 610वीं रैंक हासिल की। बीफार्म चौथे वर्ष की कुहू ने 583वीं रैंक, अदिति श्रीवास्तव 1369वीं रैंक, आयुषी श्रीवास्तव 1779वीं रैंक, सुधांशु द्विवेदी 2724वीं रैंक, ज्योति गुप्ता 2927वीं रैंक, अब्दुल शादाब 3947वीं रैंक और दीपेंद्र प्रताप सिंह 4863वीं रैंक पाने में सफल रहे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि और भाषा विश्वविद्यालय ने जारी किए परीक्षा परिणाम

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को 11 कोर्सों में सम सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार एम.ए ड्राइंग एंड पेंटिंग चौथे, एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी ला छठे, बीबीए ओल्ड मैनेजमेंट छठे और चौथे, बीबीए आईबी ओल्ड इंटरनेशनल बिजनेस छठे, चौथे, बी.काम आनर्स कामर्स छठे, एम.एससी बाटनी चौथे, बीसीए कंप्यूटर एप्लीकेशन छठे, बी.एड चौथे और बी.ए एनईपी चौथे सेमेस्टर का परिणाम शामिल है। वहीं, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को छह पाठ्यक्रमों के चौथे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। इनमें एमबीए, एमसीए, एम.काम, एम.टेक (कंप्यूटर साइंस), एम.टेक (मैकेट्रानिक्स) और एलएलएम पाठ्यक्रम शामिल हैं। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डा. महेश कुमार ने बताया कि यदि किसी विद्यार्थी को अपने परिणाम में कोई त्रुटि दिखाई देती है, तो वह विश्वविद्यालय के परीक्षा कार्यालय से संपर्क कर सकता है।

सिक्कों से ही समझा जा सकता है इतिहास

जागरण संवाददाता • लखनऊ : इतिहास के कुछ कालखंड ऐसे हैं जिन्हें सिर्फ सिक्कों से ही समझा जा सकता है। सिक्के ही पूरी घटना को समझाने की ताकत रखते हैं। विभिन्न इतिहासकारों ने पीपीटी माडल के माध्यम से यह बात समझाई। मौका था उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय की ओर से कैसरबाग के छत्तर मंजिल परिसर स्थित सभागार में मौन सिक्के, मुखर इतिहास विषयक दो दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के शुभारंभ का। जहां न केवल इतिहास की गहराइयों को खंगाला गया, बल्कि सिक्कों की जुबान से इतिहास के अनकहे पन्नों को जीवंत करने की भी कोशिश की गई।

कार्यशाला की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं इतिहासकार लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया। प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने मुद्राओं के रूप, विकास और उनके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मुद्राएं इतिहास की वो मूक गवाह हैं, जो हर कालखंड की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थितियों की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से सिक्कों की विभिन्न शैलियों का गहन विश्लेषण करते हुए आहत सिक्के, उत्तर मौर्यकालीन, हिन्द-शक पहलव, कुषाण, गुप्त और उत्तर गुप्त कालीन सिक्कों की विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा की। इतिहास लेखन की प्रक्रिया में सिक्कों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि जहां लिखित स्त्रोतों में पक्षपात हो सकता है, वहीं सिक्के अपने रूप-स्वरूप में निष्पक्ष इतिहास बयान करते हैं।

छत्तर मंजिल परिसर के सभागार में मौन सिक्के, मुखर इतिहास विषयक दो दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला शुरू

विद्यार्थियों में रहा जबरदस्त उत्साह: कार्यक्रम में लखनऊ समेत अन्य जनपदों व विश्वविद्यालयों से आए मुद्राशास्त्र में रुचि रखने वाले लगभग 150 से अधिक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। ज्ञानेन्द्र कुमार रस्तोगी ने कहा कि युवा वर्ग भी अब इतिहास को सिर्फ किताबों में नहीं, वस्तुपरक अध्ययन के माध्यम से जानना चाहता है। प्रतिभागियों को प्राचीन सिक्कों को प्रत्यक्ष रूप से देखने, समझने और विश्लेषण करने का अवसर भी मिला, जो इतिहास प्रेमियों के लिए किसी खजाने से कम नहीं था। इस अवसर पर पुरातत्व विभाग की निदेशक रेनू द्विवेदी, विभाग के अधिकारी, विनय कुमार, राम विनय, दीपा जोशी, बलिहारी सेठ, अभयराज सिंह, अकील खान, आशीष कुमार, अभिषेक कुमार, दरियाव सिंह, निर्भय रावत, हिमांशु, विभा सिंह, चन्द्रकला सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर की महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

VoL PAGE 6

लविवि के छात्रों ने जी-पैट में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ। लविवि के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्रों ने जी-पैट 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बी. फार्मा तृतीय वर्ष के अमरेंद्र मौर्या ने 610वीं रैंक हासिल की, जबकि बी. फार्मा चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इनमें कुहू ने 583वीं रैंक, अदिति श्रीवास्तव ने 1369वीं रैंक, आयुषी श्रीवास्तव ने 1779वीं रैंक, सुधांशु द्विवेदी ने 2724वीं रैंक, ज्योति गुप्ता ने 2927वीं रैंक, अब्दुल शादाब ने 3947वीं रैंक और दीपेंद्र प्रताप सिंह ने 4863वीं रैंक हासिल की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी।

AMRIT VICHAR PAGE 7

जी-पैट 2025 परीक्षा में लविवि छात्रों ने लहराया परचम

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्रों ने जी-पैट 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बीफार्मा तृतीय वर्ष के अमरेंद्र मौर्या ने 610वीं रैंक हासिल की है जबकि बीफार्मा चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने जी-पैट 2025 (ग्रैज्युएट फार्मेसी एप्टीट्यूट टेस्ट) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं में कुहू ने 583वीं रैंक, अदिति श्रीवास्तव ने 1369वीं रैंक, आयुषी श्रीवास्तव ने 1779वीं रैंक, सुधांशु द्विवेदी ने 2724वीं रैंक, ज्योति गुप्ता ने 2927वीं रैंक, अब्दुल शादाब ने 3947वीं रैंक और दीपेंद्र प्रताप सिंह ने 4863वीं रैंक हासिल की। कुलपति डॉ. आलोक राय व इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी है।

लविवि ने सम सेमेस्टर 2025 के परीक्षा परिणाम किए घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय व उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के सम सेमेस्टर 2025 की विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। यह परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध हैं। घोषित परिणाम में एमए (चित्रकला), एलएलबी (5 वर्षीय, एनईपी), बीबीए (पुराना पाठ्यक्रम), बीबीए आईबी (पुराना पाठ्यक्रम) और बीकॉम (ऑनर्स), एमएससी (वनस्पति विज्ञान), बीसीए (कम्प्यूटर एप्लीकेशन), बीएड, बीए (एनईपी) विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी छात्रों से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर देखें और किसी प्रकार की त्रुटि होने पर संबंधित विभाग से शीघ्र संपर्क करें।